



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 138]  
No. 138]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 25, 2005/ज्येष्ठ 4, 1927  
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 25, 2005/JYAISTHA 4, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 25 मई, 2005

**विषय :** यूरोपीय यूनियन से डी(-) पारा हाइड्रोक्सी फिनाइल ग्लिसीन बेस  
(पीएचपीजी बेस) के आयातों से संबंधित मामले में जांचों की  
मध्यावधि पाटनरोधी समीक्षा।

**क. मसौदे की पृष्ठभूमि**

सं. 15/20/2004-डीजीएडी.— 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने दिनांक 7 मार्च, 2003 की अधिसूचना सं. 14/6/2002-डीजीएडी द्वारा यूरोपीय यूनियन (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की थी। संबद्ध वस्तुओं पर दिनांक 1 मई, 2003 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 71/2003-सीमाशुल्क द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. जबकि प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी शुल्क को लगाए रखने की जरूरत समय-समय पर समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है और यदि वे प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस तरह संतुष्ट हो जाते हैं कि इस प्रकार के शुल्क को लगाए रखने का कोई औचित्य नहीं है तो वे केन्द्रीय सरकार को इसे समाप्त करने की सिफारिश कर सकते

हैं। उपर्युक्त प्रावधान के होते हुए भी, समीक्षा की जरूरत का समर्थन करते हुए किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक सूचना के आधार पर प्राधिकारी को इस बात की समीक्षा करने की जरूरत है क्या शुल्क को निरंतर लगाए रखना पाटन को समाप्त करने के लिए आवश्यक है, क्या यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है अथवा इसमें परिवर्तन किया जाता है अथवा दोनों स्थितियों में क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी बशर्ते कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात् एक उचित समयावधि समाप्त हो गयी हो। उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार, यूरोपीय यूनियन के एक प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक अर्थात् मैसर्स रिकोर्डार्टी, इटली ने यूरोपीय यूनियन के माध्यम से परिवर्तित परिस्थितियों में प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा करने का अनुरोध किया था।

3. जांच अवधि के दौरान यूरोपीय यूनियन के संबद्ध माल के एक प्रमुख उत्पादक निर्यातक मैसर्स रिकोर्डिली, इटली ने सूचित किया था कि उन्होंने दिसम्बर, 2002 से पीएचपीजी बेस का उत्पादन करना बन्द कर दिया है। प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2002-03 के दौरान मूल जांच की अवधि के दौरान संबद्ध माल के केवल दो ज्ञात उत्पादक और निर्यातक थे और वर्तमान समीक्षा के आवेदक के अलावा दूसरा निर्यातक था जिनके बारे में मूल जांच के दौरान न्यूनतम निर्धारित सीमा से अधिक पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया था। इन परिस्थितियों में इस परिवर्तन की समीक्षा शुरू करने के लिए उचित समझा गया था।
4. 7 मार्च, 2003 की अधिसूचना सं० 14/6/2002-डीजीएडी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय लेने के पश्चात् प्राधिकारी द्वारा भारत के राजपत्र, अससाधारण में 29 सितम्बर, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की गयी थी जिसमें 29 सितम्बर, 2004 को पाटनरोधी संबंधी करार के अनुच्छेद 11.2 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरुआत करके निर्णय लिया गया था कि क्या यूरोपीय यूनियन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीएचपीजी बेस के आयातों पर शुल्क को जारी रखना पाटन को समाप्त करने के लिए

आवश्यक है, क्या यदि यह शुल्क समाप्त कर दिया जाता है अथवा इसमें परिवर्तन किया जाता है अथवा दोनों स्थितियों में क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी ।

**ख. प्रक्रिया**

5. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है ।
- (i) समीक्षा की शुरुआत करने के बाद प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और भारत के घरेलू उद्योग को जांच आरंभ अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियां भेजीं ।
  - (ii) नई दिल्ली में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गयी जिसमें यह अनुरोध किया गया कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का निर्धारित समय के भीतर उत्तर देने की सलाह दें ।
  - (iii) नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक जानकारी मंगाते हुए भारत में संबद्ध माल के ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजीं ।
  - (iv) जांच दिनांक 01-04-2003 से 31.3.2004(जांच अवधि) की अवधि के लिए की गई। किंतु, क्षति संबंधी जांच वर्ष 2000-01 से 2002-03 और जांच-अवधि के लिए की गई ।
  - (v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से अनुरोध किया गया कि वे पिछले तीन वर्षों तथा जांच-अवधि के लिए संबद्ध माल के आयात के ब्यौरे प्रदान करें ।
  - (vi) डीएसएम डिरेटिल, स्पेन को छोड़कर किसी अन्य अन्य निर्यातक से जांच-आरंभ अधिसूचना का कोई प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

- (vii) आवेदक समेत ईयू के किसी अन्य निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का किसी भी रूप में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है ।
- (viii) संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादक एवं मूल जाँच में मूल याचिकाकर्ता मै0 दौरान आर्गनिक्स लि0, मेरठ ने समीक्षा का विरोध करते हुए अपन उत्तर प्रस्तुत किया था । तथापि, उन्होंने आवेदन प्रपत्र में अपेक्षित विवरण प्रस्तुत किया और उनके द्वारा प्रस्तुत विवरण:सूचना की यथार्थता जानने के लिए प्राधिकारी द्वारा उसका सत्यापन किया गया।
- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त सभी विचारों तथा निवेदनों पर मौजूदा जांच के संगत सीमा तक विचार किया है ।
- x) प्राधिकारी ने जांच के दौरान विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों तथा किए गए निवेदनों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाइल के रूप में इच्छुक पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुला रखा
- xi) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी की यथासंभव सीमा तक पड़ताल की जिससे हुई क्षति की जांच की जा सके और अनुकूल उत्पादन-लागत तथा संबद्ध माल की उत्पादन एवं बिक्री-लागत की सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और आवेदकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर गणना की जा सके जिससे यह पता लग जाए कि क्या पाटन मार्जिन से कम राशि का पाटनरोधी शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगा ।
- xiii) प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार, सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों की भी पड़ताल की ।
- (xiii) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों की सुनवाई करने हेतु दिनांक 19 जनवरी 2005 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया जिसमें घरेलू उद्योग और संबद्ध देशों के संबद्ध माल के निर्यातकों के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों

से अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से व्यक्ति अपने-अपने विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने एवं खंडन प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इच्छुक पक्षकारों से प्राप्त लिखित निवेदनों पर इस जांच में विचार किया गया है, जिस सीमा तक इस जांच में वे संगत पाये गये हैं।

- (xiv) अधिसूचना में \*\*\*\* वाला अंश इच्छुक पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी को दर्शाता है और प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अन्तर्गत उसी पर विचार किया गया है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद और "समान वस्तु"

6. मूल जांच और वर्तमान समीक्षा में शामिल उत्पाद डी(-) पारा हाइड्रोक्सी फेनाइल ग्लाइसिन बेस (पीएचपीजीबेस) है जो उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और आईटीसीएचएस वर्गीकरण की प्रथम अनुसूची के अध्याय 29 में शीर्ष सं० 2942.00 के अंतर्गत आता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से माध्यकारी नहीं है। किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा विचाराधीन उत्पाद अथवा समान वस्तु के मुद्दे पर कोई तर्क नहीं दिया गया है। इसलिए प्राधिकारी मूल जांच के अनुसार विचाराधीन उत्पाद एवं घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तु को समान वस्तु के रूप में पुष्टि करते हैं।

#### घ. समीक्षा की शुरुआत, हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिये गये तर्क और प्राधिकारी द्वारा जांच

7. घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि मै० रिकार्डति, इटली, जिनके अनुरोध पर जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना जारी की गयी है, जांचाधीन वस्तु के न तो निर्यातक हैं और न ही उत्पादक, क्योंकि मै० रिकार्डति ने इस बात की पुष्टि की है कि उन्होंने दिसम्बर, 2002 से पीएचपीजी बेस का उत्पादन बन्द कर दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी कहा गया है कि मध्यावधि समीक्षा की अपेक्षा के अनुसार पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने की समीक्षा की
- 1577-811/05-2

जरूरत को प्रमाणित करने के लिए हितबद्ध पार्टी द्वारा प्राधिकारी के समक्ष सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की जानी चाहिए। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि सार्वजनिक फाइल में इस बात की पुष्टि को छोड़कर कि उन्होंने दिसम्बर, 2002 से सम्बद्ध वस्तु का उत्पादन बन्द कर दिया है, ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

8. प्राधिकारी ने समीक्षा जाँच की शुरुआत के संबंध में हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए अनेक अनुरोधों की सावधानीपूर्वक जांच की।
9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में यह प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क के सतत लागू रहने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करेंगे और यदि प्राप्त सूचना के आधार पर वे इस बात से संतुष्ट हों हैं कि ऐसे शुल्क के लागू रहने का कोई औचित्य नहीं है तो केन्द्र सरकार को इसे हटाने की सिफारिश करेंगे।
10. करार के अनुच्छेद 11.2 में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी अपनी ओर से अथवा किसी हितबद्ध पार्टी जो समीक्षा करने की जरूरत का समर्थन करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करती है, के अनुरोध पर जहाँ आवश्यक हो शुल्क के लगाये रखने की जरूरत की समीक्षा करेंगे। बशर्ते कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने के पश्चात एक उचित समयावधि समाप्त हो गयी हो। हितबद्ध पार्टियों के पास प्राधिकारियों से इस बात की जांच हेतु अनुरोध करने का अधिकार होगा कि क्या पाटन को समाप्त करने के लिए शुल्क को निरंतर लगाये रखना आवश्यक है अथवा यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है अथवा इसमें परिवर्तन किया जाता है अथवा दोनों स्थितियों में क्या क्षति क जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना होगी। इस पैराग्राफ के अन्तर्गत समीक्षा के परिणामस्वरूप यदि प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की अब आवश्यकता नहीं है तो, इसे तत्काल समाप्त कर दिया जाएगा।
11. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि भारतीय पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित एडीए के अनुच्छेद 11.2 के अंतर्गत समीक्षा के आधारों का प्रमाणन अधिदेशित है और आवेदक ऐसा करने में असफल रहा है। अतः समीक्षा की शुरुआत त्रुटिपूर्ण है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस तथ्य क

ध्यान में रखते हुए कि केवल उन ज्ञात निर्यातक और उत्पादक, जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था, ने दिसम्बर, 2002 से उत्पादन बंद कर दिया था, आवेदक निर्यातक ने सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराई है, जैसाकि एडीए के अनुच्छेद 11.2 के अंतर्गत अपेक्षित है। यह स्मरण किया जा सकता है कि मूल जांच के दौरान संबद्ध वस्तु के केवल दो ज्ञात उत्पादक और निर्यातक थे और एक उत्पादक और निर्यातक मै0 डीएसएम डेरेटिल का पाटन मार्जिन न्यूनतम था। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि समीक्षा की शुरुआत यूरोपय संघ के जरिए मै0 रिकार्डती, इटली के अनुरोध पर की गई है। यूरोपीय संघ निर्यातक देश की सरकार है और डब्ल्यूटीओ का एक सदस्य है और इसलिए समीक्षा के लिए अनुरोध एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा सही ढंग से किया गया है। इसके अतिरिक्त मै0 रिकार्डती मूल जांच अवधि के दौरान उत्पादन कर रहा था और इसलिए हितबद्ध पक्षकार बना रहा। समीक्षा की जरूरत को प्रमाणित करने के लिए, जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है इस बात की समारात्मक सचना है कि पीएचपीजी बेस से केवल एक अन्य उत्पादक को संबद्ध वस्तु का पटन करने के लिए उत्तरदायी नहीं माना गया है। उपरोक्त के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि ईयू से पीएचपीजी बेस पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा सही ढंग से आरम्भ की गई है।

## ड. पाटन निर्धारण

### ड.1 स्पेन

12. मै0 रिकार्डती, इटली (जांच के आवेदक) के अलावा ईयू के केवल एक ज्ञात निर्यातक/विनिर्माता मै0 डीएसएम डेरेटिल, स्पेन ने समीक्षा की शुरुआत के पश्चात अपनी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि मै0 डीएस एम डेरेटिल के अलावा, जिन्होंने यह उल्लेख किया कि इसने अपना प्रचालन दिसम्बर 2002 से बंद कर दिया है, ई यू के शेष निर्यातकों और उत्पादकों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की समीक्षा करने के लिए मै0 रिकार्डती, इटली ने एक अनुरोध प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी को किए अपने पत्राचार में यूरोपीय आयोग ने भी ईयू के केवल दो उत्पादकों और निर्यातकों की मौजूदगी के बारे में पुष्टि की है और इस तथ्य का उल्लेख करते हुए एक समीक्षा जांच के लिए अनुरोध किया है कि ईयू के केवल अन्य निर्यातक

और उत्पादक मै0 रिकार्डती ने संबद्ध वस्तु का अपना प्रचालन बंद कर दिया है और इसलिए समीक्षा के लिए अनुरोध करते हैं। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली के उत्तर की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकारी द्वारा जांच की गई और निम्नानुसार पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। तथापि नोट के लिए यह प्रासंगिक होगा कि रिकार्डती ने कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है जैसाकि निर्यातक की सूचना प्रस्तुत है।

### ड.1 डीएसएम डेरेटिल, स्पेन

#### सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

13. मै0 डी एस एम डेरेटिल, स्पेन ने अल्मेरिया के निकट अपने संयंत्र द्वारा संबद्ध वस्तु की घरेलू और निर्यात बिक्री के संबंध में एक विस्तृत प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत किया है। उत्पादक और निर्यातक मै0 डी एस एम डेरेटिल द्वारा प्रस्तुत विस्तृत सूचना की जांच सत्यापन दल द्वारा की गई थी और सहयोगी निर्यातक के लिए एक विस्तृत गोपनीय सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी।
14. जांच अवधि अर्थात् 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 के दौरान डी एस एम डेरेटिल ने यूरोपीय संघ के भीतर तीन विभिन्न ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की \*\*\* बिक्री की। प्रश्नावली उत्तर के परिशिष्ट 1 में इन सौदों का पूरा विवरण उपलब्ध कराया गया है। इन सौदों का \*\*\* , जो \*\*\* मी.टन मात्रा बनता है, रिकार्डती, इटली को किया गया था। \*\*\* मी.टन \*\*\* बेचा गया था और \*\*\* किग्रा. की एक नमूना खेप \*\*\* को की गई थी। इस तथ्य से कि रिकार्डती ने डी एस एम डेरेटिल से पी एच पी जी बेस की खरीद की है, से भी इस तथ्य का पता चलता है कि रिकार्डती ने इस विशेष उत्पाद का उत्पादन बंद कर दिया है।
15. समीक्षा की अवधि के दौरान डी एस एम डेरेटिल ने \*\*\* मी.टन की कुल मात्रा के लिए भारत को केवल \*\*\* बिक्री पूरी की है। उपरोक्त दस्तावेजों के संदर्भ में विभिन्न कटौतियों के साथ परिशिष्ट 3क की भी जांच की गई थी। इसके अतिरिक्त भारत में एजेंट को दिए गए कमीशन से संबंधित दस्तावेज की भी जांच की गई थी। इस संबंध में जांच अवधि में पूरे किए गए विभिन्न सौदों के लिए एजेंट के बीजक, जो स्पष्ट रूप से \*\*\*



सौदों को दर्शाते हैं और डी एस एम डेरेटिल द्वारा किए गए प्रेषण भी उपलब्ध कराए गए और जांच की गई। \*\*\* अम.डालर प्रति किग्रा. की जांच के पश्चात कारखानागत स्तर पर कीमतें तदनुसार संशोधित की गई थीं ।

16. अन्य देशों को निर्यात बिक्रियां - भारत और यूरोपीय संघ के अलावा - परिशिष्ट एक में दी गई हैं । यह जांच की गई कि ईरान के अलावा सभी अन्य देशों को किए गए निर्यात सौदे उत्पादन की लागत से कम थे और ये बिक्रियां व्यापार की सामान्य अवस्था में नहीं होने के कारण अलग कर दी गईं । भारत को निर्यातित \*\*\* मी.टन की मात्रा की तुलना में \*\*\* को निर्यातित मात्रा \*\*\* किग्रा. थी । परिशिष्ट 3 ग में यथाउल्लिखित \*\*\* को कारखानागत कीमत की जांच उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के साथ की गई थी । इस प्रकार \*\*\* सौदों के लिए भारितऔसत कीमत होने के कारण सकल बिक्री कीमत \*\*\* अम.डालर प्रति किग्रा. तक संशोधित की गई थी । ईरान के लिए दोनों सौदों के लिए कारखानाद्वार स्तर भारित औसत कीमत \*\*\* अम.डालर प्रति किग्रा. थी ।
17. यह मरण किया जाए कि मू जांच के दौरान भी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक उपयुक्त तीसरे देश (मूल जांच में\*\*\* )के लिए बिक्री कीमत इस तथ्य के मद्देनजर ली गई थी कि मूल जांच में निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार में कोई बिक्री नहीं हुई थी । समीक्षा में भी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उपयुक्त तीसरे देश के रूप में उसी देश को लिया जा रहा है क्योंकि आंतरित बाजार में की गई बिक्रियों की जांच व्यापार की सामान्य अवस्था में न हुई के रूप में की गई ।
18. कारखानाद्वार स्तर ( \*\*\* डालर/किग्रा.) पर भारत को निर्यात कीमत ईरान को कारखाना द्वार कीमत से अधिक थी । अतः समीक्षा की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन नकारात्मक साबित हुआ था ।

## ड.2 ईयू के अन्य उत्पादक एवं निर्यातक

19. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन प्रपत्र में डी एस एम डेरेटिल, स्पेन के अलावा जो भारत एवं ईयू में संबद्ध वस्तु के ज्ञात उत्पादक एवं निर्यातक (मै0 159) 11/1-5-3

रिकॉर्डती के अलावा, जो उनके द्वारा प्रस्तुत निवेदन के अनुसार बंद हो चुकी है) किसी अन्य ज्ञात निर्यातक और उत्पादक का उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने मै. डी एस एम डेरेटिल, स्पेन के इस निवेदन की भी पुष्टि की है कि उसके अलावा एकमात्र अन्य उत्पादक एवं निर्यातक ने दिसम्बर 2002 से उत्पादन बंद कर दिया है। इसके अतिरिक्त मै0 डी एम एम डेरेटिल, स्पेन के अलावा किसी अन्य उत्पादक एवं निर्यातक द्वारा पाटन का आरोप नहीं लगाया गया है। जहां तक सौदेवार विवरण में पी एच पी जी की अत्यंत कम प्रविष्टियों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये आयात, संबद्ध वस्तु के अलावा किसी अन्य उत्पाद के लिए हो सकते हैं चूंकि प्राधिकारी द्वारा डी जी सी आई एंड एस एवं अन्य गौण स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों में अनेक विसंगतियां पाई गई हैं। प्राधिकारी ने इस संबंध में आयातक मै0 डी एल बायोटेक से उनके द्वारा ईयू से जांच अवधि के दौरान किए गए आयातों, यदि कोई हो, के संबंध में सूचना उपलब्ध कराने का आग्रह किया है परंतु बार-बार अनुस्मारक भेजने के बाद भी आयातक द्वारा अब तक कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके मद्देनजर प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के एकमात्र सहयोगी उत्पादक एवं निर्यातक अर्थात् मै0 डी एस एम डेरेटिल द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों को (तथा इस संबंध में घरेलू उद्योग एवं यूरोपीय आयोग द्वारा प्रस्तुत निवेदन को भी) सत्यापित माना है तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि चालू समीक्षा की जांच अवधि के दौरान ईयू से पाटित संबद्ध वस्तु के कोई आयात नहीं किए गए थे।

20. मूल जांच के दौरान भी, यह निर्धारित किया गया कि जांच अवधि के दौरान ईयू से केवल दो उत्पादक एवं निर्यातक थे तथ्या मूल जांच के दौरान डी एस एम डेरेटिल, स्पेन का पाटन मार्जिन न्यूनतम से भी कम था। चूंकि अन्य उत्पादक एवं निर्यातक मै0 रिकार्डती ने मूल जांच में सहयोग नहीं किया था इसलिए उसे अवशिष्ट पाटन मार्जिन प्राप्त हुआ था।
21. समीक्षा जांच के दौरान मै0 डी एस एम डेरेटिल, स्पेन ने यह अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था कि ईयू में उनके अलावा संबद्ध वस्तु का कोई अन्य उत्पादक एवं निर्यातक नहीं है। उन्होंने इस तथ्य का भी उल्लेख किया जिसका बाद में प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया कि वे अब मै0 रिकार्डती को संबद्ध वस्तु के आपूर्ति कर रहे हैं चूंकि उन्होंने संबद्ध वस्तु हेतु अपने प्रचालनों को बंद कर दिया है। यह भी स्मरण किया गया कि एक समीक्षा

हेतु किए गए आग्रह में यूरोपीय आयोग ने ईयू में केवल दो उत्पादकों के होने की पुष्टि की थी तथा उनमें से एक प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक मै0 रकॉर्डती, इटली के प्रचालनों के बंद होने तथा मूल जांच के दौरान दूसरे उत्पादक मै0 डी एस एम डेरेंटिल का पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम होने के आधार पर समीक्षा हेतु आग्रह किया था ।

22. किसी अन्य आयातक तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा संबद्ध जांच के विषय में कोई अन्य अभ्यावेदन प्राप्त नहीं किया गया है । उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी ने अन्य उत्पादकों की गैर-मौजूदगी में कोई अवशिष्ट पाटन मार्जिन न लगाने का निर्णय लिया है ।

### पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने/समाप्त करने के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच:

23. मै0 दौराला ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, जो घरेलू उद्योग है, ने निवेदन किया है कि चालू जांच में इस तथ्य की जांच की जानी चाहिए कि क्या लागू पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है । उन्होंने यह भी कहा है कि यद्यपि घरेलू उद्योग मानता है कि अंतर्ग्रस्त उत्पाद के आयातों के परिणामस्वरूप उन्हें निरंतर क्षति हो रही है फिर भी वास्तविक क्षति की मौजूदगी पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने की पूर्वापेक्षा नहीं है । यह भी कहा गया है कि इस तथ्य की जांच करना सबसे संगत होगा कि क्या पाटनरोधी शुल्क के समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में पाटित कीमतों पर आयातों की उल्लेखनीय मात्रा का आयात जारी रहेगा । उन्होंने आगे कहा है कि ईयू निर्यातकों की बेशी क्षमता, भारत को उनके निर्यात कीमतों के स्तर तथा भारत को पूर्व में किए गए निर्यातों की मात्रा को ध्यान में रखते हुए यह सर्वाधिक संभावित स्थिति है । तथापि, प्रकटन विवरण के जारी किए जाने के पश्चात घरेलू उद्योग से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है ।
24. घरेलू उद्योग के कथन के संबंध में, यूरोपीय संघ के उत्पादक एवं निर्यातक ने यह निवेदन किया है कि उन्होंने मूल जांच की तरह ही इस जांच में भी पूरी तरह सहयोग किया है और उसके द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार पाटन मार्जिन शून्य है । इसके अतिरिक्त उन्होंने प्राधिकारी से उत्पादक के परिसर में रिकॉर्डों का सत्यापन करके पाटन मार्जिन से संबंधित

सभी आंकड़ों की जांच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने यह भी निवेदन किया है कि जांच अवधि के दौरान, डी एस एम डेरेटिल ने, शून्य पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पी एच पी जी बेस के केवल दो प्रेषणों का निर्यात किया था। निर्यातक द्वारा यह भी कहा गया है कि यह आरोप कि मै0 डी एस एम डेरेटिल ने पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के पश्चात पी एच पी जी बेस की बिक्री में वृद्धि की है, गलत है।

25. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के साथ-साथ यूरोपीय संघ के उत्पादक एवं निर्यात के मतभेदों की जांच की है। जैसाकि पूर्ववर्ती पैराग्राफों में उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी ने उत्पादक एवं निर्यातक के परिसर में रिकॉर्डों का सत्यापन किया है तथा उसके आधार पर यह निष्कर्ष निकला है कि सहयोग उत्पादक और निर्यातक मै0 डी एस एम डेरेटिल द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन नकारात्मक है। प्राधिकारी ने इस आरोप में भी कोई सच्चाई नहीं पाई है कि पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के पश्चात मै. डी एस एम डेरेटिल द्वारा पी एच पी जी बेस की बिक्री में वृद्धि हुई है।
26. घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए इस आरोप के संबंध में कि क्या पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में आयात वस्तुओं का आयात पाटन कीमतों पर बड़ी मात्रा में किया जाता रहेगा, यह मालूम हुआ है कि दिसंबर, 2002 के पश्चात यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तु का केवल एक उत्पादक है तथा शून्य पाटनरोधी शुल्क के होते हुए भी इस उत्पादक अर्थात् मै0 डी एस एम डेरेटिल ने संबद्ध वस्तु की अत्यंत कम मात्रा का निर्यात किया है। सहयोगी निर्यातक के सत्यापन के पश्चात, यह निर्धारित हुआ है कि इस मात्रा की कीमत भी एक गैर-पाटन कीमत है। अतः घरेलू उद्योग का यह तर्क कि ईयू के पास বেশी क्षमता है तथा निर्यातों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, निराधार मालूम होता है। इसके अतिरिक्त, एकमात्र उत्पादक द्वारा शून्य पाटनरोधी शुल्क के होते हुए भी बड़ी मात्रा में निर्यात न कर पाने की स्थिति में इस बात की अपेक्षा करना असंगत है कि शुल्क के हटा दिए जाने के पश्चात निर्यात मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अतः प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क समाप्त कर दिए जाने की स्थिति में पाटन की संभावना का कोई कारण नहीं पाया है।

27. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे तथा उनके द्वारा प्राप्त की गई सूचना के आधार पर यदि वह संतुष्ट है कि ऐसे शुल्क को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है तो केन्द्र सरकार को इसे वापस लेने की सिफारिश करेंगे। पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 जो मध्यावधि समीक्षा के बारे में है, के अनुसार "हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी को यह जांच करने के लिए अनपुरोध करने का अधिकार होगा कि क्या पाटन को समाप्त करने के लिए शुल्क को जारी रखा जाए; क्या शुल्क को हटाने, परिवर्तित करने या दोनों से क्षति के जारी रहने अथवा आवृत्ति होने की संभावना होगी। यदि इस पैराग्राफ के तहत की गई समीक्षा के परिणामस्वरूप प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की कोई आवश्यकता नहीं है तो इसे तुरंत समाप्त कर दिया जाएगा।" इस विषय-जांच में यह नोट किया गया है कि यूरोपीय संघ में संबद्ध वस्तु का केवल एक उत्पादक है तथा उक्त उत्पादक के संबंध में किसी पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण नहीं किया गया है। पूर्ववर्ती पैराग्राफ से यह निष्कर्ष भी दिया गया है कि यदि पाटनरोधी शुल्क हटा लिया जाता है तो संबद्ध देश/क्षेत्र से संबद्ध वस्तु के पाटन की कोई संभावना नहीं है। अतएव उपर्युक्त तथ्यों के मद्देनजर प्राधिकारी घरेलू उद्योग को मौजूदा क्षति अथवा क्षति की आवृत्ति के संबंध में कोई निष्कर्ष देना प्रासंगिक नहीं मानते क्योंकि विद्यमानता का मुद्दा अथवा क्षति की आवृत्ति वर्तमान जांच में इस तथ्य के मद्देनजर अप्रासंगिक है कि कार्रवाई का कारण अर्थात् या तो पाटन का जारी रहना अथवा पाटन की संभावना वर्तमान जांच में अनुपस्थित है।

च. निष्कर्ष:

28. प्राधिकारी उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि:
- i) यूरोपीय संघ से आयातों के संबंध में संबद्ध वस्तु के लिए कोई पाटन मार्जिन निर्धारित नहीं किया गया है तथा यूरोपीय संघ से संबद्ध वस्तु का पाटन जारी रहने की कोई संभावना नहीं है।

1597 GF/05-4

- ii) उपर्युक्त के मद्देनजर, यूरोपीय संघ से घरेलू उद्योग को हो रहे पाटन तथा क्षति को निष्प्रभावी करने के लिए संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की आवश्यकता नहीं है।

29. इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया है कि यूरोपीय संघ से संबद्ध वस्तु के आयातों के आधार पर, संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया गया है तथा यूरोपीय संघ से संबद्ध वस्तुओं के पाटन की कोई संभावना नहीं है, प्राधिकारी यूरोपीय संघ के विरुद्ध शुल्क को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं पाते हैं तथा इसलिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 23 के अनुसार यूरोपीय संघ के विरुद्ध लागू शुल्क को रद्द करने की सिफारिश करते हैं। अतः उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी अधिसूचना सं० 71/2003-सीमाशुल्क दिनांक 1 मई 2003 द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने की सिफारिश करते हैं।

#### छ. आगे की प्रक्रिया

30. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के प्रासंगिक उपबंधों के अनुरूप सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

डॉ. क्रिस्टी फर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**FINAL FINDING**  
New Delhi, the 25th May, 2005

**Subject : Mid-term Anti-dumping Review investigations in the matter relating to imports of D(-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base (PHPG Base) from European Union.**

**A. Background of the Case**

**No. 15/20/2004-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), *vide* Notification No. 14/6/2002-DGAD dated 7th March, 2003, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) notified its final findings recommending definitive anti-dumping duty on import of PHPG Base (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from the European Union (hereinafter referred to as subject country/territory). The definitive anti-dumping duty was imposed on the subject goods *vide* Customs Notification No. 71/2003-Customs dated 1st May, 2003.

2. Whereas the Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if it is satisfied, on the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. Notwithstanding, the above provision, the authority is required to review, on the basis of positive information submitted by any interested party substantiating the need for a review, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty, whether continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. In terms of the above provision, one of the major producer and exporter from the European Union i.e. M/s. Recordati, Italy had filed a request, through the European Union, for a changed circumstances mid-term review of the anti-dumping duty in force.

3. One of the major producers and exporters of the subject goods from the EU during the period of original investigation, M/s Recordati, Italy had informed that they have discontinued the production of the PHPG Base from December 2002. It is noted by the Authority that there were only two known producers and exporters of the subject goods during the period of investigation of the original investigation during 2002-03, and another

exporter besides the applicant for the current review had a *de minimus* dumping margin determined during the original investigation. This change in circumstances was considered appropriate to initiate a review.

4. Having decided to review the final findings notified vide Notification No.14/6/2002-DGAD dated 7<sup>th</sup> March 2003, the Authority therefore issued a public notice dated 29<sup>th</sup> September 2004 published in the Gazette of India , Extraordinary, initiating mid term review investigations in terms of the Rule 23 of the Anti dumping rules read with article 11.2 of the agreement on Anti dumping on 29<sup>th</sup> September 2004 , to review whether continued imposition of the duty on imports of PHPG Base originating in or exported from the European Union is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both.

## **B. PROCEDURE**

5. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:

(i) After initiation of the review the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to all known exporters/producers in the subject countries, and domestic industry in India in accordance with the Rule 6(4), to elicit relevant information;

(ii) The Embassies/High Commissions/ Representatives of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2), with a request to advise the exporters/producers in their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(iii) Questionnaires were sent to known importers and consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

(iv) Investigation was carried out for the period starting from 01.04.2003 to 31.03.2004 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2000-01 to 2002-03 and POI.

(v) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, and the period of investigations;

(vi) No response to the initiation notification was received from any other exporter except DSM Deretil, Spain.

(vii) No other exporter from EU including the applicant have submitted any response, in any manner, to the initiation notification.



(viii) M/s Daurala Organics Ltd, Meerut, the domestic producer of the subject goods and the original petitioner in the original investigation submitted its responses opposing the review. However, they submitted the details as required under Application Proforma and details/information submitted by them were verified by the Authority for its correctness.

(ix) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties to the extent they are relevant for the present investigation.

(x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

(xi) The Authority verified the information furnished by the domestic industry to the extent possible examine the injury suffered and to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicants so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;

(xii) The Authority also verified the data of the cooperating exporter to determine the normal value and dumping margin as per the Rules.

(xiii) The Authority held a public hearing on 19 January 2005 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of the domestic industry, exporters of the subject goods from the subject countries. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally and file rebuttals. The written submissions as well as rebuttals received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding to the extent these have been considered relevant to the investigation.

(xiv) \*\*\*\* In the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

### **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND 'LIKE ARTICLE'**

6. The product involved in the original investigation and the current review is D (-) Para Hydroxy Phenyl Glycine Base (PHPG Base) falling under heading No.2942.00 in Chapter 29 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act and ITC HS classification. This classification, however, is indicative only and, in no way, binding on the scope of the present investigation. No argument has been extended, by any interested party, on the issue of product under consideration and like article. Therefore, the Authority confirms the product under consideration and domestic like article as per the original investigation.

1597 GF/05-5

**D. Initiation of the Review, arguments raised by various interested parties and Examination by the Authority**

7. It has been submitted by the Domestic Industry that M/s. Recordati, Italy on whose request Initiation Notification has been issued, is neither an exporter nor the foreign producer for the article which is subject to investigation as Ms. Recordati has confirmed that they have discontinued the production of the PHPG Base since December 2002. It has also been added by the domestic industry that as per the requirement for midterm review, the interested party is supposed to submit positive information to the authority to substantiate the need for review of continuation of imposition of antidumping duty. They have further added that no such information is available on the public file except the confirmation that they have discontinued the production of subject goods since December 2002.

8. The Authority has carefully examined various submissions made by the interested parties in connection with the initiation of this review investigation.

9. Rule 23 of the Anti Dumping Rules provides that the Designated Authority shall, from time to time, review the need for continued imposition of anti dumping duty and if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty, shall recommend to the Central Govt. for its withdrawal.

10. Article 11.2 of the Agreement provides that the Authorities shall review the need for the continued imposition of the duty, where warranted, on their own initiative or, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti dumping duty, upon request by any interested party which submits positive information substantiating the need for a review. Interested parties shall have the right to request the authorities to examine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. If, as a result of the review under this paragraph, the authorities determine that the anti dumping duty is no longer warranted, it shall be terminated immediately.

11. The domestic industry has argued that under Article 11.2 of ADA read with Rule 23 of Indian Antidumping Rules, substantiation of grounds of review are mandatory and the applicant has failed to do so. Therefore, the initiation of the review is flawed. The Authority notes that the applicant exporter had provided positive information, as required under Article 11.2 of ADA, with regard to the fact that the only known exporter and producer to whom the antidumping duty was imposed had discontinued production since December 2002. It may be recalled that during the original investigation, there were only two known producers and exporters of the subject goods and one of the producer and exporter M/s. DSM Deretil had *de minimus* dumping

margin. The authority further notes that the review has been initiated at the request of M/s. Recordati, Italy through the European Union. The European Union is the Government of the exporting country and is a member of WTO and hence the request for review has been correctly made by an interested party. Further, M/s. Recordati was in production during the original period of investigation and hence continues to be an interested party. There is also positive information as mentioned above substantiating the need for review in as much as the only other producer of PHPG Base has already been held to have not dumped the subject goods. On the basis of above, the authority concludes that the midterm review of antidumping duty imposed on PHPG Base from EU has been correctly initiated.

## **E. DUMPING DETERMINATION**

### **E.1 Spain**

12. The only known exporter/manufacturer from EU, M/s DSM Deretil, Spain apart from M/s Recordati, Italy (applicant to the investigation) filed its questionnaire response after initiation of the review. The authority recalls that M/s. Recordati, Italy had submitted a request for a review of the antidumping duty imposed on residual exporters and producers from EU apart from M/s. DSM Deretil stating that it had closed its operation since December 2002. The European Commission in a communication to the authority had also confirmed about the presence of only two producers and exporters from EU and had requested for a review investigation citing the fact that only other exporter and producer from EU M/s. Recordati had closed its operation for subject goods and hence the request for a review. The questionnaire response submitted by the exporter was also verified by the Authority as per the procedure prescribed and the dumping margin has been determined as follows. However, it is pertinent to note that the applicant himself had not submitted any information as required in the exporter's questionnaire.

#### **E.1. DSM Deretil, Spain.**

##### **Normal Value, Export price and Dumping Margin:**

13. M/s DSM Deretil, Spain filed a detailed questionnaire response with regard to domestic as well as export sales of subject goods by its Plant near Almeria. Detailed information submitted by the producer and exporter M/s. DSM Deretil, were verified by the Verification team and a detailed confidential verification report was issued to the cooperating exporter.

14. During the period of investigation i.e. 1<sup>st</sup> April 2003 to 31<sup>st</sup> March 2004, DSM Deretil had made \*\*\*\* sales of the subject goods to three different customers within the European Union. The Appendix 1 of the questionnaire response had provided the complete details of these transactions. \*\*\*\* of these transactions, accounting for a quantity of \*\*\*\* MTs, was made to

Recordati, Italy. \*\*\*\* MTs was sold to \*\*\*\* and a sample consignment of \*\*\*\* kilograms was made to \*\*\*\*. The fact that Recordati had purchased PHPG Base from DSM Deretil also establishes the fact that Recordati had discontinued the production of this particular product.

15. During the period of review, DSM Deretil had effected only \*\*\*\* sales to India, for a total quantity of \*\*\*\* MTs. Appendix 3A with various deductions was also verified with reference to the above documents. In addition, document in support of the commission paid to the agent in India was also verified. In this connection, the invoice of the agent for the various transactions effected in the POI, which clearly showed the \*\*\*\* transactions and the remittance made by DSM Deretil was made available and verified. The price at the ex-factory was accordingly revised after verification to US\$ \*\*\*\* per kg.

16. The export sales to other countries - other than to India and the European Union – have been reported in Appendix 2A. It was verified that export transaction to all other countries, other than Iran, were below the cost of production and these sales have to be discarded being not in the ordinary course of trade. The quantity exported to \*\*\*\* was \*\*\*\* kgs as compared to the quantity of \*\*\*\* MT exported to India. The ex-factory price to \*\*\*\* as appearing in Appendix 3C was verified with the documents provided. The gross selling price was thus revised to US\$ \*\*\*\* per kg. being the weighted average price for the \*\*\*\* transactions. The weighted average price at the ex-factory level for both the transactions to Iran was US\$ \*\*\*\* per kg.

17. It may be recalled that during the original investigation also, the sale price to an appropriate third country (\*\*\*\* in the original investigation) was taken for the determination of normal value in view of the fact that there was no sale in the domestic market by the exporter in the original investigation. In the review also, the same country is being taken as the appropriate third country for the determination of normal value as the sales made in the home market are verified to be not in the ordinary course of trade.

18. The export price to India, at the ex-works level (\$ \*\*\*\*/Kg), was higher than the ex-works price to Iran. (\$ \*\*\*\*/kg) Thus, dumping margin was proved to be negative during the period of review.

## **E. 2 Other producers and exporters from EU**

19. The Domestic industry has not named any known exporter and producer except DSM Deretil, Spain in their application proforma who are known to be producing and exporting the subject goods to India and in the EU (besides M/s. Recordati, Italy which they have also submitted, is closed down. They have also confirmed the submissions made by M/s DSM Deretil, Spain that the only other producer and exporter have discontinued the production since December 2002. Additionally, there is no allegation of dumping from any other producer and exporter except M/s DSM Deretil, Spain. With regard to few entries of PHPG Base appearing in the transaction wise statement, the

authority notes that these imports could be for a product other than the subject goods as many inconsistencies in the data provided by DGCI&S and other secondary source have been noticed by the authority. The Authority in this regard has also requested the importer M/s KDL Biotech to submit information with regard to imports, if any, made by them during the POI from EU but no reply has been submitted by importer till date despite reminders to them. With this in view the authority accepts the import data as verified by the authority submitted by only cooperating producer and exporter from European Union i.e. M/s. DSM Deretil (and also the submission made in this regard by domestic industry and European Commission) and concludes that there is no import of dumped subject goods from EU during the period of investigation of the current review.

20. During the original investigations also, it was determined that there were only two producers and exporters from the EU during the POI and it was determined that DSM Deretil, Spain had *de-minimus* dumping margin during the original investigations. The other producer and exporter M/s Recordati had not cooperated in the original investigations and hence it had got the residual dumping margin.

21. During the review investigations, M/s DSM Deretil, Spain had represented that there are no other producer and exporter of subject goods in the EU other than themselves. They have also cited the fact which was later verified by the Authority that they are now supplying the subject goods to M/s Recordati as the latter had closed its operation for the subject goods. It is also recalled that in the request for a review, the European Commission had explicitly confirmed the fact of only two producers in the EU and they had based the request for a review due to the closure of operation by one of the major producer and exporter, M/s. Recordati, Italy while the other producer M/s. DSM Deretil had *de minimus* dumping margin during the original investigation.

22. No other representation has been received from any of the importers and other interested parties in this regard concerning subject investigation. In view of the above, the Authority has decided not to impose any residual dumping margin on the other producers as none is known to exist.

**Examination by the Authority with regard to Continuation/Revocation of antidumping duty:**

23. M/s. Dauurla Organics Limited, the domestic industry, has submitted that the test to be applied and examined in the current investigation is whether the cessation of antidumping duty in force is likely to lead to continuation or recurrence of the injury to the domestic industry. They have also added that the existence of material injury is not the prerequisite for continuation of anti dumping duty even though domestic industry considered that the imports of the product involved have resulted in continued injury to them. It is also added that the most relevant thing is to examine here is whether the imports at dumped prices would continue to be imported in significant volume in the event

159764/05-6

of revocation of antidumping duty. They have further added that this is the most likely situation given the surplus capacity with the EU exporters and the level of export prices to India also, keeping in mind previous volume of exports in India. However, subsequent to the issuance of disclosure statement, no reply has been received from the domestic industry.

24. With regard to the observations made by the domestic industry, the producer and exporter from European Union have submitted that they cooperated to the fullest extent in this investigation as they did during the original investigation and the information submitted by them establishes that the dumping margin is nil. They have further requested the authority to examine all the data pertaining to the dumping margin by verifying the records at the premises of the producer. They have also submitted that during the period of investigation, DSM Deretil had exported only two consignments of PHPG Base, despite having a zero antidumping duty. It has also been added by the exporter that the allegation that M/s. DSM Deretil had increased the sale of PHPG Base after imposition of antidumping duty is incorrect.

25. The Authority has examined the contention of the domestic industry as well as the producer and exporter from the European Union. As mentioned in the earlier paragraphs, the Authority had verified the records at the premises of the producer and exporter and had established that the dumping margin is negative with regard to exports made by the cooperating producer and exporter M/s. DSM Deretil. The authority also has not found truth in the allegation that the sale of PHPG Base by M/s. DSM Deretil after imposition of antidumping duty has increased.

26. With regard to the allegation made by the domestic industry whether the imports at dumped prices would continue to be imported in significant volume in the event of revocation of antidumping duty, it has been examined that after December 2002, there is only one producer in the European Union of the subject goods and this producer M/s. DSM Deretil had a zero antidumping duty and yet had exported only a very small quantity of the subject goods. After the verification of the cooperating exporter, it has been established that the price of even this quantity is an undumped price. Hence the contention of the domestic industry that there is surplus capacity with EU and exports would increase in significant volumes appears to be unfounded. Further, when the only producer did not export significant quantity despite zero antidumping duty, there is no basis to presume that the quantity will increase significantly if the duty is removed. Hence, the authority has not found any reasons for likelihood of dumping if the antidumping duty is withdrawn.

27. As per the rule 23 of the antidumping rules, the designated authority shall, from time to time, review the need for continued imposition of the antidumping duty and shall, if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty



recommend to the Central Government for its withdrawal. Article 11.2 of the Agreement on Antidumping which deals with the midterm review states that "interested parties shall have the right to request the authorities to examine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied or both. If, as a result of the review under this paragraph, the authorities determine that the antidumping duty is no longer warranted, it shall be terminated immediately". In this subject investigation, it is noted that there is only one producer of the subject goods in the European Union and no dumping margin has been determined with respect to the said producer. It is also concluded from the preceding paragraph that there is no likelihood of dumping of subject goods from subject country/territory if the antidumping duty is withdrawn. Hence, in view of the aforesaid facts, the authority does not consider it relevant to conclude any finding with regard to the current injury or recurrence of injury to the domestic industry as the issue of existence or recurrence of injury is irrelevant in the present investigation in view of the fact that the cause of action i.e. either the continued dumping or likelihood of dumping is absent in the present investigation.

#### **F Conclusions:**

28. The authority has after considering the foregoing come to the conclusion that

- I. No dumping margin for the subject goods has been established with regard to imports from European Union and there is no likelihood of continued dumping of subject goods from European Union.
- II. In view of the above, the continued imposition of antidumping duty on the subject goods from the European Union is not necessary to offset dumping and injury to domestic industry.

29. Having concluded that the no dumping margin for the subject goods has been established on account of imports of subject goods from the European Union and there is no likelihood of dumping of the subject goods from European Union, the Authority finds no justification for continuation of the duty against European Union and therefore, in terms of Rule 23 of the said Rules recommends revocation of duty in force against European Union. Hence, in view of the above, the Authority recommends withdrawal of the anti dumping duty imposed vide notification 71/2003-Customs dated 1<sup>st</sup> May 2003.

**G Further Procedures**

30. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

Dr. CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority